

## **B.K. LATA R. AGARWAL**

- 1) She is born on 2nd May, 1958 at Mathura (UP) and hails from a Spiritual Family. She is brought-up at Mumbai.
- 2) She graduated in Commerce & Law from Bombay University.
- 3) She came in contact with this institution in the year 1983.
- 4) She enrolled as an Advocate of the Bombay High Court in 1983.
- 5) She practiced in Districts & Taluka Courts of Maharashtra from 1983 till 1995. She appeared in many Civil, Criminal & Matrimonial cases and was successful in her career.
- 6) She is practical example of Applied Spirituality.
- 7) In 1995 she surrendered herself to this Institution for rendering spiritual service in Legal Department of the Institution.
- 8) She is a Legal Adviser of this Institution. Now she appears in various High Courts and Supreme Court of India. She also carries out the conveyance work of the Institution for whole of India.
- 9) She is a Head-Quarater Co-ordinator of Jurist Wing of R.E. & R.F.
- 10) She has been instrumental in organizing many Jurist Conferences, Retreats, Seminars, Get-togethers at various places in India & abroad.
- 11) She has participated in number of National & International Conferences and seminars, emphasizing the importance of spiritual values.
- 12) She is a fearless orator.
- 13) Some of her special qualities are her kind and gentle behaviour, caring and sustaining nature and very humble, co-operative, helping and her easy method to solve the problems makes people tension-free and carefree. She does service with the feeling of godly instrument and her mixing & egoless nature makes people happy.

## बी.के. लता आर अग्रवाल

1. आपका जन्म 2 मई 1958 मे एक आध्यात्मिक परिवार मे हुआ।
2. आपने कॉमर्स और लॉ मे मुम्बई युनिवर्सिटी से ग्रॅज्युएशन किया।
3. आप 1983 मे इस ईश्वरीय विश्व विद्यालय के नियमित रुप से विद्यार्थी बनें।
4. 1983 मे आप बॉम्बे हाईकोर्ट मे अधिवक्ता बने। आपने महाराष्ट्र मे जिला व तालुका कोर्ट्स मे अपनी प्रेक्टिस शुरु की। आप सिविल, क्रिमीनल तथा मेट्रीमोनीयल केसेज मे प्रेक्टिस की जिसमे आपने बहुत अधिक सफलता प्राप्त की।
5. मुम्बई जैसे नगरी मे रहते हुए भी आपने आध्यात्मिकता को अपने जीवन मे यथार्थ रिति से धारण कर दूसरों के लिए उदाहरणमूर्त बनें।
6. आपने 1995 मे अपना जीवन इस विश्व विद्यालय मे ईश्वरीय सेवाओं मे समर्पित किया।
7. आप इस विश्व विद्यालय की लीगल एडवाइजर (कानून सलाहकार) के रुप मे लीगल डिपार्टमेंट मे अपनी आध्यात्मिक तथा विधिक सेवायें दे रही हैं। विश्व विद्यालय की तरफ से आप भारत के विभिन्न हाईकोर्ट्स तथा सुप्रीम कोर्ट मे उपस्थित होती हैं। आप विश्व विद्यालय का पूरे भारत देश के कनवेंसिंग का कार्य संभालती हैं।
8. आप राजयोग शिक्षा एवं शोध प्रतिष्ठान के अंतर्गत न्यायविद प्रभाग के मुख्यालय संयोजिका हैं।
9. आप अनेक राष्ट्रीय एवं आंतर्राष्ट्रीय न्यायविद सम्मेलनों के आयोजन के निमित्त बनें तथा आपने उनमे महत्वपूर्ण भूमिकायें भी सुचारु रुप से निभाई है।
10. आप अनेक राष्ट्रीय एवं आंतर्राष्ट्रीय न्यायविद सम्मेलनों मे सहभागी हुए हैं।
11. आप एक निर्भिक वक्ता हैं।
12. **आपकी अन्य विशेषतायें :-** आप बहुत ही दयालु और नम्र है तथा मिलनसार हैं तथा आप बहुत ही सहयोगी नेचर के हैं। आप सभी के प्रॉब्लेम्स को सहज रिति से समाप्त कर उन्हे निश्चिन्त, तनावमुक्त बनाती हैं। आप अपने को निमित्त समझकर ईश्वरीय सेवायें करती हैं इसलिए सदा सफल होती हैं। आपके सरल और मिलनसार स्वभाव के कारण सभी आपसे सन्तुष्ट रहते हैं।